भारत सरकार
जनजातीय कार्य मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3413
उत्तर देने की तारीख 20.03.2025

वलसाड में जनजातीय संस्कृति का संरक्षण

3413. श्री धवल लक्ष्मणभाई पटेल:

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा वलसाड में जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) पहल के अंतर्गत जनजातीय समुदायों की सांस्कृतिक विरासत के प्रलेखन और संरक्षण हेतु क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) वलसाड में जनजातीय समुदायों के पारंपरिक ज्ञान और प्रथाओं के संबंध में क्या अनुसंधान अध्ययन किए गए हैं;

(ग) सांस्कृतिक उत्सवों और प्रदर्शनियों के माध्यम से जनजातीय कलाओं, शिल्प और लोककथाओं को बढ़ावा देने हेतु क्या पहलें की गई हैं; और

(घ) जनजातीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और इसके वलसाड से आगे बड़े पैमाने पर प्रसार में डिजिटल प्लेटफार्मों की भूमिका क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्य मंत्री
(श्री दुर्गादास उइके)

(क): जनजातीय कार्य मंत्रालय जनजातीय अनुसंधान संस्थान गांधीनगर, गुजरात सहित 29 राज्य/संघ राज्यक्षेत्र जनजातीय अनुसंधान संस्थानों को उनकी अवसंरचनात्मक आवश्यकताओं को सुदृढ़ करने, अनुसंधान और दस्तावेजीकरण गतिविधियों और प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों, अद्वितीय सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने, जनजातीय त्योहारों और यात्राओं का आयोजन करने और पर्यटन को बढ़ावा देने तथा जनजातियों द्वारा आदान-प्रदान यात्राओं का आयोजन करने, जनजातीय संस्कृति, प्रथाओं, भाषाओं और अनुष्ठानों को संरक्षित और प्रसारित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है, जो केंद्र प्रायोजित योजना "जनजातीय

अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) को सहायता" के अंतर्गत राज्य/संघ राज्यक्षेत्र सरकारों के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं। जैसा कि सूचित किया गया है, जनजातीय अनुसंधान संस्थान, गुजरात ने वलसाड के जनजातीय समुदायों की सांस्कृतिक विरासत के दस्तावेजीकरण और संरक्षण के लिए कई कदम उठाए हैं। तूर, डोबरू और पावरी जैसे पारंपरिक नृत्यों का दस्तावेजीकरण किया गया है और वृत्तचित्र फिल्मों को व्यवस्थित रूप से संरक्षित किया गया है तथा ढोडिया बोली में प्रवेशिकाएं (प्राइमर्स) तैयार की गई हैं। वाघबरसी त्योहार को प्रदर्शित करने और उजागर करने के लिए एक वृत्तचित्र फिल्म बनाई गई है, जिसमें वाघ देव (बाघ देवता) की पूजा की जाती है।

(ख) से (ग): जैसा कि सूचित किया गया है, जनजातीय अनुसंधान संस्थान, गुजरात द्वारा जनजातीय समुदायों के पारंपरिक ज्ञान और पद्धतियों पर किए गए अनुसंधान अध्ययनों को अनुलग्नक I पर रखा गया है। इसके अलावा, टीआरआई गुजरात द्वारा सांस्कृतिक उत्सवों और प्रदर्शनियों के माध्यम से जनजातीय कला, शिल्प और लोककथाओं को बढ़ावा देने के लिए की गई पहलें इस प्रकार हैं:

i. जनजातीय शिल्प व्यापार मेला - नवंबर 2024, अहमदाबाद (वस्त्रपुर): इसने राज्य भर के जनजातीय कारीगरों को अपने पारंपरिक हस्तशिल्प का प्रदर्शन और बिक्री करने के लिए एक मंच प्रदान किया।

ii. जनजातीय गौरव दिवस वार्षिक मेले में वलसाड के कारीगर - नवंबर 2024: वलसाड के कारीगरों द्वारा विभिन्न प्रकार के पारंपरिक शिल्प का प्रदर्शन किया गया।

(घ): जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) गुजरात ने वलसाड के जनजातीय समुदायों की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और साझा करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रभावी ढंग से उपयोग किया है। जनजातीय कार्य मंत्रालय के आदि प्रसारण पोर्टल/डिजिटल रिपॉजिटरी पर विभिन्न विवरण, साहित्य, वीडियो और फ़ोटोग्राफ़ी अपलोड की गई हैं। इस पहल ने जनजातीय विरासत के व्यापक प्रसार की सुविधा प्रदान की है, जिससे इसे राष्ट्रीय दर्शकों तक पहुँचाया जा सका है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसका संरक्षण सुनिश्चित किया जा सका है।

अनुलग्नक - **I**

दिनांक 20.03.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3413 के भाग (ख) से (ग) के उत्तर में संदर्भित विवरण

<u>जनजातीय समुदायों के पारंपरिक ज्ञान और प्रथाओं (पद्धतियों) पर किए गए अनुसंधान अध्ययनों का ब्यौरा</u>

| क्र.सं. | पारंपरिक ज्ञान और प्रथाओं (पद्धतियों) पर अनुसंधान अध्ययन का नाम | प्रकाशन संख्या | प्रकाशन वर्ष | भाषा |
|---|---|---|---|---|
| 1. | गुजरात में जनजातीय मेला | 108 | 1982 | गुजराती |
| 2. | जनजातीय लोक संगीत | 131 | 1983 | गुजराती |
| 3. | डुबला के लोकगीत | 59 | 1979 | गुजराती |
| 4. | जनजातीय लोककथाओं का अध्ययन | 40 | 1977 | गुजराती |
| 5. | डुबला का लोक साहित्य | 139 | 1984 | गुजराती |
| 6. | ढोडिया के विवाह गीत | 254 | 1988 | गुजराती |
| 7. | दक्षिण गुजरात के जनजातियों के बीच सामाजिक-धार्मिक आंदोलन | 48 | 1977 | अंग्रेज़ी |
| 8. | गुजरात के ढोडियाओं के पारंपरिक कानून | 191 | 1986 | गुजराती |
| 9. | गुजरात के कोकणा के पारंपरिक कानून | 192 | 1986 | गुजराती |
| 10. | गुजरात के चौधरी के पारंपरिक कानून | 193 | 1986 | गुजराती |
| 11. | वलसाड जिले के जनजातीय लोगों में पारंपरिक औषधियों (जड़ी-बूटियों) का उपयोग | 253 | 1988 | गुजराती |
| 12. | डुंगरी वर्ली का विकास | 268 | 1989 | गुजराती |
| 13. | जनजातियों का पारंपरिक हाट बाजार | 420 | 2006 | गुजराती |
| 14. | गुजरात के डुबला | 4 | 1966 | गुजराती |
| 15. | गुजरात के वर्ली | 107 | 1982 | गुजराती |

*****